**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## बच्चों में मानसिक कठिनाईयों पर पांच दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

पंतनगर। 01 मार्च, 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्यन्न विभाग द्वारा 'मानसिक कठिनाइयां एवं स्वलीनता: शीघ्र पहचान एवं हस्तक्षेप' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का आज समापन हुआ। महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस समारोह में मुख्य आतिथि कुलसचिव, डा. ए. पी शर्मा, ने विभाग के सदस्यों को कार्यशाला के सफल आयोजन पर बधाई दी एवं आगामी शिक्षण सत्रों में भी इस तरह की कार्यशालाएं आयोजित करते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यवाहक अधिष्ठात्री, डा. कल्पना कुलश्रेष्ठ ने विद्यार्थियों को कार्यशाला में प्राप्त जानकारी को समुदाय की भलाई के लिए प्रयोग करने को प्रोत्साहित किया। सृजन स्पास्टिक सेण्टर के डा. एन.के. कांडपाल, श्रीमती श्रद्धा कांडपाल, डा. गिरीश ने इन चिन्हित विशेष बालकों की पहचान, निरीक्षण तथा आर्थिक, शैक्षिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए किये जाने वाले कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक, डा. ऋतु सिंह ने सभी अतिथियों एवं सृजन स्पास्टिक सेण्टर के सभी प्रशिक्षकों को सम्मानित किया एवं सृजन स्पास्टिक सेण्टर द्वारा विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए किये गए अथक प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया और विद्यार्थियों के लिए इस उपयोगी कार्यशाला को भविष्य में पुन: कराये जाने का आश्वासन भी दिया। सीनियर रिसर्च फेलो एवं विद्यार्थियों ने इस पांच-दिवसीय कार्यशाला को शैक्षणिक एवं मनोरंजक बनाये रखने में सहयोग किया। विद्यार्थियों ने कार्यशाला में प्राप्त जानकारियों व सभी प्रयोगों पर संक्षिप्त प्रस्तुति भी दी एवं कार्यशाला सन्दर्भ में अपने विचार एवं अनुभव साझा किये। विभागाध्यक्ष, डा. आभा आहूजा द्वारा विगत वर्षों में पंतनगर के सामुदायिक स्थलों पर चिन्हित किये गये कुछ विशेष बालकों को कार्यशाला में लाया गया। कार्यशाला में ऐसे विशेष बालकों के अभिभावक भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के अन्य शिक्षक व विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में कुल 30 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

*कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते कुलसचिव डा. ए.पी. शर्मा।*